नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

विकास और प्रशासनिक सुधारों का संतुलन

मध्य प्रदेश की राजनीति और प्रशासनिक दिशा को समझने के लिए हाल की कैबिनेट बैठक एक महत्वपूर्ण संकेतक के रूप में सामने आती है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में लिए गए निर्णय केवल तात्कालिक राहत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे राज्य के दीर्घकालिक विकास मॉडल को भी रेखांकित करते हैं. खास बात यह है कि इन फैसलों में किसान, बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक सुधार, तीनों को समान प्राथमिकता दी गई है.

सबसे पहले यदि किसानों की बात करें तो गेहूं पर 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस का निर्णय राजनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है. रबी विपणन सीजन में यह बोनस किसानों के लिए सीधी राहत का माध्यम बनेगा. हालांकि, यह भी देखना होगा कि क्या यह बोनस उत्पादन लागत में बढ़ोतरी और बाजार की अनिश्चितताओं की भरपाई कर पाएगा. राज्य सरकार के इस कदम को अल्पकालिक राहत के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में स्थायी सुधारों की दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है.

दूसरा बड़ा पहलू बुनियादी ढांचे पर किया गया भारी निवेश है. पीडब्ल्यूडी के लिए 4,525 करोड़ रुपये की मंजूरी यह दर्शाती है कि सरकार विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है. उज्जैन एलीवेटेड कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट न केवल शहरी यातायात को सुगम बनाएंगे, बल्कि धार्मिक पर्यटन को भी नई ऊर्जा देंगे. सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए 13,851 करोड़ रुपये का रोडमैप यह संकेत देता है कि सरकार आयोजन आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दे रही है. लेकिन यहां चुनौती यह रहेगी कि इन परियोजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से हो.

रीवा की पनवार माइक्रो सिंचाई परियोजना इस कैबिनेट की एक दूरदर्शी पहल मानी जा सकती है. 228 करोड़ रुपये की लागत से 37 गांवों की 7,350 हेक्टेयर भूमि को सिंचित करना न केवल कृषि उत्पादन बढ़ाएगा, बल्कि क्षेत्रीय असमानताओं को भी कम करने में मदद करेगा. बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र लंबे समय से जल संकट से जूझते रहे हैं, ऐसे में यह परियोजना वहां के किसानों के लिए जीवनरेखा साबित हो सकती है. जल जीवन मिशन 2.0 और ग्रामीण नल-जल नीति-2026 के तहत ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने का निर्णय प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है. यदि स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन की जिम्मेदारी प्रभावी ढंग से निभाई जाती है, तो यह योजना ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार ला सकती है. हालांकि, इसके लिए क्षमता निर्माण और निगरानी तंत्र को मजबूत करना अनिवार्य होगा. प्रशासनिक सुधारों के तहत विभागों के नाम परिवर्तन और नियमों में संशोधन को प्रतीकात्मक कदम मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. 'गोपालन एवं पशुपालन विभाग' नामकरण सांस्कृतिक और राजनीतिक संदेश देता है, जबकि वित्त विभाग को क्रय नियम सौंपना प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने की कोशिश है.

कुल मिलाकर, यह कैबिनेट बैठक संतुलित और बहुआयामी निर्णयों का उदाहरण है. लेकिन असली परीक्षा इन घोषणाओं के धरातल पर उतरने में है. यदि सरकार क्रियान्वयन, पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान केंद्रित करती है, तो ये फैसले मध्य प्रदेश को विकास के नए पथ पर अग्रसर कर सकते हैं.

एक चिड़िया, अनेक चिड़िया, घर में क्यों नहीं आती चिड़िया

विश्व गौरैया दिवस पर विशेष

ऋतुपर्ण दवे

भला किसने गौरैया को अपने आंगन, घर, खिड़की पर चहचहाते नहीं देखा होगा? अभी इसका जवाब हाँ है, लेकिन जिस तरह के हालात बन रहे हैं उसमें आने वाली पीढ़ी के लिए इसका जवाब न भी हो सकता है। साथ ही हममें से लगभग पुराने दौर के सभी लोगों ने 1974 में निर्मित एक प्रसिद्ध एनिमेटेड लघु फिल्म जो 'एक अनेक और एकता' का हिस्सा है, जिसे विजया मुले और भीमसेन खुराना ने निर्देशित किया था देखी होगी. यह दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाली एकता का संदेश देने वाली एक लोकप्रिय क्लासिक फिल्म रही। बाद में कई वर्षों तक लोगों ने यह गीत भी सुना 'एक चिड़िया, अनेक चिड़िया, दाना चुगने आईं चिड़िया' जिसे पंडित विनय चंद्र मौद्गल्य द्वारा लिखा गया. समझें कि गौरैया हमारे लिए कितनी खास थी और आज भी. लेकिन, आज उसके जीवन पर ही संकट आन पड़ा है.

याद कीजिए आज से 15-20 साल पहले हर घर की खिड़की के कांच पर चोंच मारती या दीवारों की दरारों के बीच शोर मचाती और कुछ नहीं तो रोशनदान में तिनके-तिनके जोड़कर घोंसले बनाती गौरैया जिसे आमभाषा में हम चिड़िया कहते हैं घासफूंस इकट्ठा कर घोसले बनाती दिख जाती थी. कुछ ही हफ्तों में उन घोसलों से मधुर सी चीं-चीं की आवाज कर अबोध बच्चे झांकते थे जैसे ही चिड़िया आती और अपने चोंच में इकट्ठा दाना बांट-बांट कर उन्हें खिलाती, कितना आनन्द की सुखद अनुभूति होती थी! आज यह सब लगभग न के बराबर हैं. गांव, शहर और घरों से गौरैया नदारत सी है. थोड़ी बहुत कहीं दिख जाती है तो दूर जंगलों में या सफर के दौरान बियावानो में. आखिर गौरैया ने हमसे क्यों मुंह मोड़ा? कभी जानने, समझने की हमने ईमानदार कोशिश की? शायद नहीं।

थोड़ा पहले जाना होगा जब भारत में नया-नया मोबाइल दस्तक दे रहा था. जैसे ही गाँव-गाँव, मोहल्ले-मोहल्ले टॉवर लगने लगे तो एक सच एकाएक सामने आने लगा कि टॉवरों के आसपास गौरैया सुबह-सुबह क्यों मरी मिलती हैं? शुरू में तो लोगों को कुछ समझ नहीं आया. लेकिन बाद में पता चला कि मोबाइल से निकलने वाला रेडिएशन इनके स्वास्थ्य और मस्तिष्क की तरंगों को बुरी तरह प्रभावित करता है जिससे मौत हो जाती है. आखिर नन्हीं सी जान जिसका कुल वजन 15 ग्राम से 32-35 ग्राम ही होता है कैसे इन तरंगों को झेल पाएंगी? बस धीरे-धीरे गौरैया घटने लगीं और और हम बेफिक्र रहे.

विलुप्ति की ओर पहुंचने वाली गौरैया के संरक्षण के उद्देश्य से हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाने की शुरुआत 2010 में नेचर फॉरएवर सोसायटी संस्था यानी एनएफएस ने की. कृत्रिम घोंसलों छतों पर दाना-पानी रखने की शुरुआत को प्रोत्साहन दिया ताकि गौरैया वापस छतों पर आने लगें. लेकिन यह सच्चाई है कि 60 से 80 प्रतिशत आबादी घट ही गई. ऐसे में इस दिन को मनाकर गौरैया की चहचहाट को वापस लाने की पुरजोर कोशिश की सार्थक पहल की जा रही है. नेचर यानी एनएफएस (भारत) और इको-सिस एक्शन फाउण्डेशन (फ्रांस) के सहयोग से 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाने लगा. इसकी शुरुआत नासिक के रहने वाले मोहम्मद दिलावर ने की. तभी से हर साल नए थीम के साथ इसे मनाने की परिपाटी शुरू हुई.

यकीनन गौरैया धरती पर एक वो छोटी सी जान है जो सब जगह पाई जाती है. इनकी संख्या में कमीं आना बताता है कि हमने पर्यावरण को किस तरह से बिगाड़ा जिससे असर इस छोटे से प्राणी तक पर आन पड़ा. वास्तव में रेडिएशन और प्रदूषण को लेकर चिंता के बजाए हम तकनीक अपग्रेड पर केन्द्रित हो गए. कभी झुंड में भोजन की तलाश में उडने वाली ये छोटा सा पंछी अब बहुत कम दिखता है. इनको बचाने और संरक्षण के लिए छतों पर इनकी पसंद के दाने जैसे काकून, बाजरा, मक्का, गेहूं, चावल और पानी रखना चाहिए. कृत्रिम घोंसले टांगकर आकर्षित करना चाहिए. बड़ी संख्या में पेड़-पौधे लगें तो भी आएंगी. हरे-भरे पेड़-पौधों में रेडिएशन कहते हैं कम होता है. फिल्म रोबोट 2.0 हमारी आँखें खोलती है. अनेकों शोध ने साबित किया कि मोबाइल टावर और विकिरण, वाई-फाई और टावरों से निकलने वाले रेडिएशन गौरैया के प्रजनन, स्वास्थ्य प्रभावित करती है. विद्युत चुंबकीय तरंगें भी नेविगेशन और भोजन खोजने की क्षमता प्रभावित करती है. इससे भी इनकी आबादी घटी है.

एक बात और समझ आई कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और असंतुलित तापमान भी इनके जीवन को कठिन कर रही है. वायु प्रदूषण से सांस में बाधा तो कानफोडू ध्वनि प्रदूषण से साथी खोजने में जटिलता होती है. भारत में गौरैया महज पक्षी नहीं वो हमारे साझा इतिहास और संस्कृति का प्रतीक भी हैं. हिंदी में 'गोरैया', तमिल में 'कुरुवी' और उर्दू में 'चिर्या' जैसे विभिन्न नामों से जाने जानी वाली गौरैया पीढ़ियों से दैनिक जीवन का हिस्सा रही. गांवों में अपने मधुर गीतों से वातावरण को ऊर्जा और खुशी भरने वाले कई पलों को इनकी चहचहाट ने यादगार बनाया है. इन चुनौतियों के बीच, गौरैयों के संरक्षण और उन्हें बढ़ाना, बचाना हमारे जीवन का हिस्सा होना चाहिए. कम से कम एक कृत्रिम घोसला, दाना-पानी का तो इंतजाम कर ही सकते हैं. इसमें सभी को तन्मयता से जुटना पड़ेगा वरना एक थी चिड़िया, अनेक थी चिड़िया, विकास के हत्थे चढ़ गई चिड़िया कहना पड़ेगा.

(लेखक राज्य स्तरीय स्वतंत्र अधिमान्य पत्रकार

महाकौशल की डायरी

जीतू ने भरे मंच से पूर्व सांसद को टोंका, व्यक्तिगत रूप से पुचकारा...

अविनाश दीक्षित

नीखराजी मोबाइल मत देखो, हमारी बात भी सुनो, जैसे ही ये शब्द कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भरे मंच से कहे, ठीक वैसे ही कार्यक्रम में मौजूद पूर्व मंत्री व विधायक लखन घनघोरिया, कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनीता पटेल, पूर्व विधायक संजय शर्मा सहित कई कांग्रेस के दिग्गज सकते में आ गए. मामला जबलपुर से सटे नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा के ग्राम सूखाखैरी में आयोजित किसान-मजदूर महाचौपाल, कार्यकर्ता सम्मेलन से जुड़ा है जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्र, राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए कई तंज कसे. हुआ यूं कि एक तरफ जीतू पटवारी आरोपों के साथ केंद्र, प्रदेश सरकार पर निशाना साध रहे थे तो वहीं दूसरी तरफ कार्यक्रम में मौजूद पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा अपने मोबाइल में व्यस्त नजर आए जिसके बाद जीतू ने जो उन्हें कहा वो सार्वजनिक हुआ और सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद इस पूरे मामले ने सुर्खियां भी बटोरीं. दूसरी तरफ भरे मंच से पूर्व सांसद को टोकने वाली बात पर स्थानीय भाजपा नेता चुटकियां लेते देखे गये. चर्चाएं भी आम हुईं कि जिस पार्टी के भीतर वरिष्ठता का सम्मान, अनुशासन न हो वो विरोध की क्या बात करते हैं.

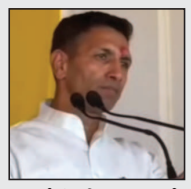

खबर है कि कार्यक्रम के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा को व्यक्तिगत रूप से पुचकारते हुए कहा कि मेरा मकसद आपको नीचा दिखाने का बिल्कुल नहीं था आप मेरी बात का दूसरा मतलब मत निकालिएगा. इस पर पूर्व मंत्री व विधायक लखन घनघोरिया भी जीतू का समर्थन करते हुए रामेश्वर नीखरा को ये समझाते हुए नजर आए कि आप आक्रोशित नहीं होना, ये सब चलता है. लेकिन कुछ भी हो, भले ही रामेश्वर नीखरा ने इस बात को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया हो लेकिन चर्चा है कि वह अंदरूनी तौर पर जीतू पटवारी की इस हरकत को पचा नहीं पा रहे हैं और आहत महसूस कर रहे हैं. जीतू के बयान ने नरसिंहपुर, गाडरवारा के साथ साथ जबलपुर के भी राजनैतिक गलियारों में खूब सुर्खियां बटोरीं.

भाजयुमो अध्यक्ष ने अनुशासन को किया तार-तार...

अनुशासन के लिए प्रतिबद्ध माने जाने वाली भारतीय जनता पार्टी इन दिनों सत्ता का दंभ भरने वाले कुछ भाजपा नेताओं की वजह से दागदार होती जा रही है. सार्वजनिक कृत्य होने के बाद पार्टी के जिम्मेदारों द्वारा सिर्फ पद से हटाने की कार्रवाई ही की जाती रही है लेकिन धरातल की बात करें तो ऐसे नेता पूरी बेशर्मी से पार्टी के सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाजपा के दिग्गज नेताओं, मंत्रियों के बगल में तस्वीरें खिंचाने से बिल्कुल नहीं चूकते और फिर सोशल मीडिया में यही तस्वीर वायरल कर अपने प्रभाव का दंभ भरते नजर आते हैं. सवाल ये उठता है कि गंभीर कृत्य करने वाले ऐसे नेताओं के खिलाफ संगठन कोई सख्त कार्रवाई को अंजाम क्यों नहीं देता है जिससे इस तरह के नेताओं के मन में कानून या संगठन के प्रति डर बैठ सके. कटनी जिले के कन्हवारा कुठला में जहां अवैध खनन का विरोध करने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष लखन साहू ने अपने साथियों के साथ 3 आदिवासी परिवारों पर हमला कर दिया. इस परिवार में एक गर्भवती महिला भी थी जिसे चोटें आईं हैं.

प्राइवेट दुकान में मिलीं पोषण आहार की सैंकड़ों बोरियां..?

जबलपुर के घमापुर स्थित एक डॉक्टर के बोर्ड वाली दुकान के भीतर से छापे के दौराप जप्त की गई अनाज की 140 बोरियों के मामले ने शहर में अन्य जगहों पर होने वाली कुपोषित बच्चों के पोषण आहार की कालाबाजारी पर तमाम सवाल खड़े कर दिए हैं. मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ये पता लगाना शुरू तो कर दिया है कि पोषण आहार की कालाबाजारी में किस किस आंगनबाड़ी कर्मचारी की मिलीभगत है. विदित हो कि मुखबिर की सूचना के बाद कुछ दिन पहले महिला बाल विकास विभाग और प्रशासन की टीम ने पुलिस के साथ घमापुर स्थित एक दुकान पर छापा मारकर करीब 140 बोरी शासकीय पोषण आहार बरामद किया था. सर्वविदित है कि यह आहार आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को वितरित किया जाता है परन्तु प्राईवेट दुकान से भारी मात्रा में पोषण आहार बरामद होने से यह साफ हो गया है कि कालाबाजारी के इस खेल में छोटे से बड़े कर्मचारी तक शामिल हैं किन्तु अपना दामन पाक साफ रखने के लिए किसी छोटे कर्मी पर भ्रष्टाचार का बम फोड़ दिया जाता है. फिलहाल इसको लेकर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने भी गंभीर चिंता व्यक्त कर दी है, मगर यह देखना दिलचस्प रहेगा कि जिले के प्रशासनिक मुखिया महज चिंतित ही रहेंगे या वास्तविक दोषी को सीखचों के पीछे भेजने में प्रभावी भूमिका भी अदा करेंगे.

ममता से सरकारी कर्मी व पुजारी खुश

विधानसभा चुनाव की घोषणा के कुछ ही पहले बंगाल में मुख्यमंत्री व टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने एक बड़ा दांव खेल दिया, जो बीजेपी की महत्वाकांक्षा को गहरा आघात पहुंचा सकता है. मुख्य चुनाव आयुक्त की चुनाव कार्यक्रम घोषित करने वाली पत्रपरिषद शुरू होने के 55 मिनट पहले ही ममता बनर्जी ने राज्य सरकार के 9 लाख कर्मचारियों व पेंशनरों को महंगाई भत्ते का 10,000 करोड़ रुपये बकाया देने का ऐलान कर दिया. इसी तरह हिंदू पुजारियों और मस्जिदों के मुइज्जीनों के मासिक मानदेय को वर्तमान 500 रूपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये करने की घोषणा की. इससे जनमत को प्रभावित करने वाले इन वर्गो को अनुकूल संदेश मिला है. चुनावी आदर्श आचार संहिता लागू होने से पूर्व की गई ये घोषणाएं ममता की समयसूचकता को दर्शाती है. इसके पूर्व बिहार विधानसभा चुनाव के पहले नीतीशकुमार ने राज्य की हर महिला के खाते में 10,000 रुपये जमाकर चुनाव में जदयू व बीजेपी की विजय सुनिश्चित कर ली थी. फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल की टीएमसी सरकार को निर्देश दिया था कि वह सरकारी कर्मचारियों के बकाया डीए की 10,000 करोड़ रुपये की राशि 31 मार्च तक प्रदान कर दे. इसके अलावा शेष बकाया राशि रिटायर्ड जस्टिस इंदु मल्होत्रा द्वारा तैयार की गई सूची के मुताबिक जारी की जाएगी. ममता बनर्जी ने ऐन चुनाव की घोषणा के पहले डीए का बकाया देने का ऐलान किया, जिसका कर्मचारियों के मानस पर अनुकूल असर पड़ सकता है. टीएमसी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि मुख्यमंत्री ने काफी पहले ही महंगाई भत्ते की बकाया रकम देने की योजना बना ली थी और उचित समय पर उन्होंने इसकी घोषणा की. विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने ममता की घोषणा को मजाक और टीएमसी की चुनावी नौटंकी बताया जबकि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेशकुमार ने स्पष्ट कर दिया कि चुनाव के ऐलान के पूर्व केंद्र या राज्य सरकार द्वारा की गई ऐसी कानून सम्मत योजना की घोषणा में कुछ भी गलत नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में पहले ही निर्देश दे रखा था, जिसकी मुख्यमंत्री ने आचार संहिता लागू होने के पहले ही घोषणा कर दी.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

खून-खराबे से भरा रमजान पाक के निशाने पर तालिबान

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, इस्लाम में रमजानके महीने को बहुत पाक या पवित्र माना जाता है, जिसमें अमन-चैन, भाईचारा बना रहना चाहिए लेकिन पाकिस्तान को न जाने क्या सूझा, उसने तालिबान पर खूनी हवाई हमला कर दिया. यदि जवाब में तालिबान जमकर ठोकेगा तो पाकिस्तान की मदद के लिए चीन या अमेरिका नहीं आएंगे.'

हमने कहा, 'असरानी की एक फिल्म का नाम था चला मुरारी हीरो बनने ! इसी तरह पाकिस्तान चला अमेरिका बनने! तालिबान ने जब रूसी फौजों को करारी टक्कर दी और अमेरिका के काबू में भी नहीं आया, तो उसके सामने पाकिस्तान क्या चीज है! वहां के लड़ाके पाकिस्तान की नाक में दम कर देंगे. पाकिस्तान इतना नादान है कि बिच्छू का मंत्र जानता नहीं और चला है सांप के बिल में हाथ डालने ! उसे अपनी औकात समझनी चाहिए थी. बलूचों व तालिबानियों से दुश्मनी पाक को बहुत महंगी पड़ेगी.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, पाकिस्तान को लगता है कि सऊदी अरब उसकी मदद के लिए आगे आएगा लेकिन

अरब देश खुद ही ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले से परेशान हैं. वह पाकिस्तान के लिए किसी से पंगा क्यों लेंगे?'

हमने कहा, 'पाकिस्तान ने काबुल के अस्पताल पर हवाई हमला कर 400 से ज्यादा लोगों की जान ले ली. वह अस्पतालों, स्कूलों और मदरसों को निशाना बना रहा है. पाकिस्तान को अपनी फौजी ताकत का गुमान हो गया है. उसे लगा कि जैसे अमेरिका ईरान पर टूट पड़ा वैसे ही वह भी तालिबान को हमला करके डरा देगा. यह वही तालिबान है जिसे अमेरिका के पैसों और शस्त्रों से लैस कर पाकिस्तान की फौज और खुफिया एजेंसी आईएसआई ने ट्रेनिंग दी थी और रूस की सेना से लड़वाया था. तब यह तालिबान लड़ाके मुजाहिदीन कहलाते थे. सिल्वेस्टर स्टॉलन की फिल्म रैम्बो में इनका युद्ध कौशल दिखाया गया है. इस समय तालिबान को रूस का समर्थन है. भारत के साथ भी तालिबान के संबंध ठीक बने हुए हैं. भारत ने पाकिस्तानी हमले को अफगानिस्तान की संप्रभुता पर आक्रमण बताया है. पहले ही तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) पाक के लिए सिरदर्द बना हुआ है और अब तो काबुल पर हमला कर पाकिस्तान ने अपनी मौत को दावत दी है. तालिबान सिर्फ तालियां नहीं बजाएगा बल्कि पाकिस्तान की ईंट से ईंट बजाकर रख देगा.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12203 - डॉ. सागर खादीवाला

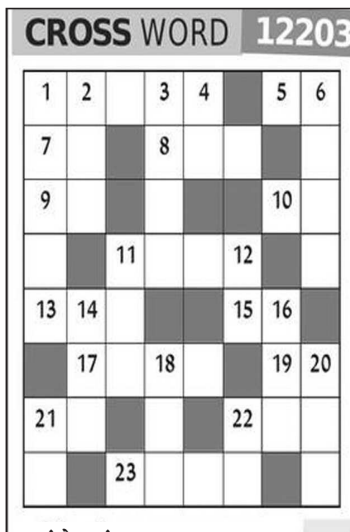

देने का भाव 2. भिखमंगा, भीख मांगने वाला 3. विजयादशमी 4. अदद, संख्या, नगीना 6. भीरूपन 11. बंदर, दोहे का एक भेद 12. वह रेखा जो भूमि जोतते समय हल की फाल से बनती है (सं.) 14. परिवर्तन, हेरफेर 16. गीली वस्तु का पतला लेप चढ़ाना. पोतना 18. इच्छा (उर्दू) 20. रहने की क्रिया या भाव, आचार, व्यवहार 21. देह, शरीर 22. पत्र आदि पर लिखा किसी का नाम और रहने की जगह,

बाएं से दाएं
1.प्रणाम, वंदना 5. संदेह, डर 7. मित्र, साथी, सहयोगी 8. कामधंधा, मनोविनोद (उर्दू) 9. हरित, सब्ज (स्त्री.) एक वर्णवृत्त 10. जो शीघ्र विचलित न हो, गंभीर 11. बनारस 1 3. पराया धन अनुचित रूप से हजम करना (उर्दू) 15. करतल ध्वनि, कुंजी 17. प्रार्थना पत्र, निवेदन, अर्जी (उर्दू) 19. लेकिन, पंख 21. समय, मृत्यु 22. शरण, शत्रु संकट या कष्ट से रक्षा पाने का भाव, रक्षा का ठिकाना 23. चतुरता, प्रवीणता

ऊपर से नीचे
1. मिलकर कार्य न करना, सहयोग न

Solution 12202

स	र	क	ना	■	आ	ल	स
या	क	■	जी	ना	■	प	त्ना
ना	म	क	■	च	र	क	टा
■	■	ट	■	म	■	ना	■
प	ह	ले	प	ह	ल	■	इ
ल	ला	ट	■	ल	क्ष्मी	पु	त्र
ना	ह	■	भा	■	पू	नी	■
■	ल	ला	ई	■	जा	त	क

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्र से भेंटवार्ता होगी, आर्थिक सहयोग मिलेगा, शिक्षा के क्षेत्र में अचानक यात्रा होगी, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में मन नहीं लगेगा, व्यापार व्यवसाय में व्यर्थ भागदौड़ एवं व्यय में वृद्धि होगी, मित्र के कारण तनाव रहेगा, वर्ष के अन्त में प्रतिष्ठा एवं यश में वृद्धि होगी, घरेलू कार्यों में व्यस्तता रहेगी, खर्च पर नियंत्रण रखें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्त होने का योग है, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को मान सम्मान बढ़ेगा, शिक्षा के क्षेत्र में वृद्धि होगी, मान सम्मान बढ़ेगा, पारिवारिक जीवन सुखमय बना रहेगा, यात्रा का योग है,कर्क और सिंह राशि के व्यक्तियों की शत्रुओं के षडयंत्र से सतर्कता बांछनीय, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को संयम से कार्य करना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का बचपन की मित्रता का लाभ प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों का साहस बना रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य सुन्दर, दुबला, पतला, लंबे कद का परिश्रमी होगा. किसी खास विद्या का ज्ञाता होगा. लेखन अध्ययन, रचनात्मक कार्यो में लाभ प्राप्त होगा. माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

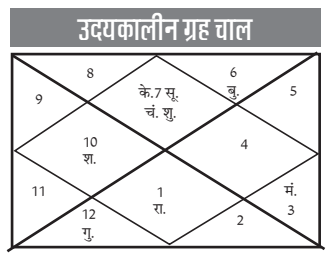

पंचांग

रा.मि. 29 संवत् 2083 चैत्र शुक्ल द्वितीया भृगुवासरे रात 3/47, रेवती नक्षत्रे रात 3/46, ब्रह्म योगे रात 11/32, बालव करणे सू.उ. 6/1, सू.अ. 5/59, चन्द्रचार मीन रात 3/46 से मेष, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

चैत्र शुक्ल द्वितीया को रेवती नक्षत्र के प्रभाव से जमकर के अंदर से प्राप्त होने वाले पदार्थ, तिल, और उड़द कालीमिर्च, लोहा के भाव में तेजी होगी. आज 10 बजकर 30 मिनिट से 20 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभदायक रहेगा. भाग्यांक 5165 है.

मेष- उपहार या सम्मान प्राप्त होगा. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. दूर दराज की यात्रा का योग है. परिश्रम की अधिकता रहेगी. व्यय भी होगा.

वृषभ- पारिवारिक सुख एवं सहयोग मिलेगा. सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी. यश प्राप्त होगा. नियमितता का ध्यान रखें. साहस में वृद्धि होगी.

मिथुन- दाम्पत्य जीवन सुखमय मधुरतापूर्ण रहेगा. पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी. कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफलता मिलेगी. बहुप्रतीक्षित कार्य बनने से हर्ष होगा.

कर्क- अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है. विरोधी वर्ग सक्रिय रहेगा. शुभ कार्यो के बनने का योग है. नियोजित कार्य सफल होगा. यश मिलेगा.

सिंह- किसी नवीन योजना का विकास होगा. परिश्रम की अधिकता रहेगी. मित्र वर्ग आपकी मदद करेगा. आपसी मतभेद दूर होंगे. यश मिलेगा.

कन्या- आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. कोई ऐसा कार्य न करें, जो आपको आगे चलकर कष्टप्रद हो. जमकरजायजाद प्रापर्टी के कार्यो से लाभ प्राप्त होगा.

तुला- पारिवारिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी. शारीरिक कष्ट रह सकता है, किन्तु आपकी सूझबूझ से बाधायें दूर होंगी. लाभ प्राप्त होगा.

वृश्चिक- अचानक दूर गये मित्र के संबंध में सुखद समाचार प्राप्त होगा. साहसिक कार्यो की प्रशंसा होगी. निजी दायित्वों की पूर्ति होने को योग है.

धनु- आर्थिक क्षेत्र में प्रयासों में बांछित सफलता मिलेगी. राजकीय कार्यो में लाभ प्राप्त होगा. अधीनस्थ वर्ग का सहयोग प्राप्त होगा.

मकर- कोई ऐसा कार्य संपन्न होगा, जिसके बदले आपको प्रशंसा प्राप्त होगी. मूल्यवान वस्तु प्राप्त होने का योग है. मित्र वर्ग आपको मदद करेंगे.

कुम्भ- शिक्षा के क्षेत्र में किया गया प्रयास सार्थक होगा. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी. आर्थिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी. संतोष रहेगा.

स्विास्थ्य के प्रति सावधानी रखकर कार्य करें, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी. अनावश्यक विवाद को न बढ़ायें. शत्रु वर्ग परास्त होगा.

SUDOKU 7335

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7334

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1